नए नियम में महिला पास्टर हैं

मार्ग मोवज़्को (Marg Mowczko) · जर्मन अनुवाद: Hans-Jörg Ronsdorf · मई 2021 · अक्टूबर 2026 में संशोधित

“पास्टर” और “महिला पास्टर” से यहाँ – कलीसिया के प्रकार के अनुसार – चरवाहे, प्राचीन, अध्यक्ष या अगुवे अभिप्रेत हैं। नया नियम उन्हें अधिकतर केवल “सेवक” कहता है। “पास्टर” शब्द लातीनी है और इसका अर्थ है “चरवाहा” (यूनानी में poimēn)। कलीसिया की किसी सेवा के नाम के रूप में यह नए नियम में केवल इफिसियों 4:11 में आता है। (अनुवादक की टिप्पणी)

न जाने कितनी बार मुझसे पूछा गया है कि नए नियम में कहाँ लिखा है कि स्त्रियाँ पास्टर थीं। एक व्यक्ति, जिसे मैं T कहूँगी, जानकारी चाहता था। उसने कहा कि वह ऐसे उदाहरण चाहता है जो “चट्टान जैसे पक्के” हों, जहाँ “साफ़-साफ़” शब्दों में कुछ ऐसा लिखा हो, जैसे “सूसन एक प्रचारिका और शिक्षिका थी”। उत्तर में मैंने T के सामने वे बिंदु और तर्क दोहराए, जिन्हें मैं पहले भी अक्सर बातचीत और लेखों में रख चुकी हूँ।

मेरा इरादा अपने उत्तर को लेख के रूप में प्रकाशित करने का नहीं था, परन्तु 6 मई को सैडलबैक चर्च (Saddleback Church) में तीन महिला पास्टरों के अभिषेक को लेकर ऑनलाइन मची हलचल देखने के बाद, मैंने T को दिए अपने उत्तर को संशोधित और विस्तृत करके यहाँ प्रकाशित किया है।

सेवाओं के लिए पौलुस की शब्दावली

प्रेरित पौलुस अपनी पत्रियों में किसी को पास्टर या कलीसिया का प्राचीन या अध्यक्ष नहीं कहते। जो उनके साथ सेवा में थे, उनके लिए उनके पसंदीदा शब्द हैं (घटते क्रम में): सहकर्मी, भाई/बहन, diakonos (“सेवक / डीकन”), apostolos (“प्रेरित / मिशनरी”) और कार्यकर्ता (मज़दूर)। वे इन शब्दों का प्रयोग तीमुथियुस और सीलास जैसे पुरुषों के लिए और प्रिस्का, यूओदिया, सुन्तुखे, फ़ीबे, यूनिया, पिरसिस, अफ़िया आदि जैसी स्त्रियों के लिए करते हैं।

इसके अतिरिक्त पौलुस एक ही व्यक्ति के लिए अक्सर कई शब्दों का प्रयोग करते हैं। सेवा की शब्दावली में वे लचीले थे। वे निश्चित उपाधियों का प्रयोग नहीं करते थे, इसलिए उदाहरण के लिए “पास्टर सीलास” या “पास्टर फ़ीबे” जैसा कुछ नहीं था।

यदि हम नए नियम में ऐसे व्यक्तियों को खोजें, जिन्हें “पास्टर” कहा गया है, तो हम उन्हें नहीं पाएँगे। परन्तु यदि हम ऐसे लोगों को खोजें, जो स्थानीय कलीसियाओं (जो अधिकतर घरेलू कलीसियाएँ थीं) में पास्टर का कार्य करते थे, तो हमें स्त्रियाँ भी मिलती हैं और पुरुष भी, और दंपती भी (उदाहरण के लिए कुलुस्से में नुमफ़ास, एशिया माइनर में यूहन्ना की दूसरी पत्री की “चुनी हुई महिला”)।

इफ़िसुस की कलीसिया का उदाहरण

नए नियम की कलीसियाएँ हमारी आज की अधिकांश कलीसियाओं की तरह संगठित नहीं थीं और उनकी तरह काम नहीं करती थीं, और स्थानीय कलीसियाओं के आधिकारिक या निश्चित उपाधियों वाले, नाम से ज्ञात, अभिषिक्त पदाधिकारियों को खोजना कठिन है।

उदाहरण के लिए इफ़िसुस की कलीसिया में अध्यक्ष थे (episkopoi; संभवतः संरक्षक, मेज़बान और घरेलू कलीसियाओं के अगुवे),[1] पुरुष और स्त्री सेवक (diakonoi; जिनका और अधिक विवरण नहीं दिया गया), पुरुष और स्त्री प्राचीन (presbyteroi; कुछ प्राचीन शिक्षा देते थे) और नाम लिखी गई विधवाएँ (जिनसे शीघ्र ही कलीसिया में एक अलग वर्ग बन गया)।[2] परन्तु इन पदों या भूमिकाओं वाले लोगों में से किसी की भी पहचान नहीं बताई गई, न किसी का नाम लिया गया। **उनमें से एक का भी नहीं!**

तीन झूठे शिक्षकों को छोड़कर (1 तीमुथियुस 1:20; 2 तीमुथियुस 1:15), इफ़िसुस की कलीसिया से सेवकों और सदस्यों के रूप में जुड़े केवल ये लोग हैं: तीमुथियुस, जो एक सीमित समय के लिए इफ़िसुस में पौलुस के प्रतिनिधि थे (तुलना करें 2 तीमुथियुस 4:13, 21), प्रिस्का और अक्विला (2 तीमुथियुस 4:19) और उनेसिफ़ुरुस का घराना (2 तीमुथियुस 1:16; 4:19)।[3]

प्रिस्का शायद नए नियम की कलीसिया की किसी स्त्री अगुवा या पास्टर का सबसे स्पष्ट उदाहरण है, जो मिल सकता है। मेरा अनुमान है कि कुछ लोग उन्हें कलीसिया की अगुवा के रूप में क्यों नहीं मानते, इसका एक कारण – इस तथ्य के अतिरिक्त कि वे स्त्री हैं – यह है कि लोग यह नहीं समझते कि पौलुस सेवकों और सेवा के विषय में किस प्रकार बात करते थे, और वे यह नहीं समझते कि पहली सदी के मध्य में कलीसियाएँ कैसे काम करती थीं और कैसे संगठित होती थीं।

इफ़िसुस में और बाद में रोम में प्रिस्का उतनी ही सेविका और अगुवा थीं, जितने कुरिन्थुस में स्तिफ़नास; बल्कि शायद उनके और उनके पति के पास सेवा में स्तिफ़नास और उसके सह-सेवकों से भी अधिक अनुभव और अधिक प्रभाव था।

प्रचारक और शिक्षक

"प्रचारक" और "शिक्षक" शब्दों का क्या?

नए नियम में केवल पौलुस और नूह को "प्रचारक" (kēryx) कहा गया है। नए नियम में "प्रचारक" शब्द का प्रयोग उससे भिन्न ढंग से होता है, जैसे आज बहुत से मसीही इसका प्रयोग करते हैं। एक अन्य लेख में मैं नए नियम में "प्रचार करना" से संबंधित शब्दों – संज्ञाओं और क्रियाओं दोनों – की चर्चा करती हूँ। इन शब्दों का प्रयोग सामान्यतः उन लोगों को सुसमाचार का संदेश सुनाने के संबंध में होता है, जिन्होंने उसे अभी तक नहीं सुना।

कलीसिया के संबंध में केवल जिन व्यक्तियों को "शिक्षक" (didaskalos) कहा गया है, वे हैं पौलुस (कुछ बार) और सीरिया के अन्ताकिया के वे नाम-सहित उल्लिखित अगुवे, जिन्हें "भविष्यद्वक्ता और शिक्षक" कहा गया है: बरनबास, शमौन जो नीगर कहलाता है, कुरेनी लूकियुस, मनाहेम और शाऊल (जैसा वे उस समय कहलाते थे) (प्रेरितों के काम 13:1)। 1 तीमुथियुस 2:7 और 2 तीमुथियुस 1:11 में पौलुस अपने लिए तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं: प्रचारक (घोषक), प्रेरित और शिक्षक।

प्रेरितों के काम में "शिक्षा देना" वाली क्रियाएँ विभिन्न लोगों के लिए प्रयुक्त हुई हैं, जिनमें पतरस और यूहन्ना, पौलुस और बरनबास, और अपुल्लोस भी हैं, जिसे प्रिस्किल्ला और अक्विला ने सुधारा। यह बात कि अपुल्लोस (एक वाक्पटु और शिक्षित पुरुष, जो इफ़िसुस में शिक्षा देता था) को प्रिस्किल्ला और अक्विला ने सुधारा, और कि प्रेरितों के काम 18 में इसका सकारात्मक उल्लेख किया गया, निश्चय ही हमें इस दंपती की सेवा के महत्व के विषय में कुछ बताती है।

पौलुस अपनी पत्रियों में कभी-कभी "शिक्षा देना" वाली क्रियाओं का प्रयोग अपने लिए और तीमुथियुस आदि के लिए करते हैं। और "शिक्षा देना" वाली एक क्रिया (और संज्ञा "भविष्यद्वक्तिन" भी) प्रकाशितवाक्य 2:20 में थुआतीरा की ईज़ेबेल के लिए प्रयुक्त हुई है। उसका उदाहरण दिखाता है कि स्त्रियाँ कलीसिया की अगुवा थीं। यद्यपि वह एक बुरी अगुवा और भटकी हुई शिक्षिका का उदाहरण है। (उसे अपने अनैतिक आचरण से मन फिराने का समय दिया गया था।)

यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि सेवा के विषय में अपने सामान्य निर्देशों में पौलुस कभी नहीं कहते कि शिक्षक/शिक्षा की सेवा या पास्टर की सेवा स्त्रियों के लिए वर्जित है। देखें रोमियों 12:6-8, 1 कुरिन्थियों 12:28 और इफिसियों 4:11। और 1 कुरिन्थियों 14:26 और कुलुस्सियों 3:16 में पौलुस सेवा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिसमें कोई शिक्षा प्रस्तुत करना भी सम्मिलित है।

शब्दावली और अधिकार

T एक स्पष्ट कथन चाहता था, जैसे "सूसन एक प्रचारिका और शिक्षिका थी"। वास्तव में हमारे पास एक स्त्री सेविका के विषय में पौलुस का एक स्पष्ट कथन है। अन्य बातों के साथ वे कहते हैं कि फ़ीबे "किंख्रिया की कलीसिया की diakonos" थी (रोमियों 16:1-2)। diakonos शब्द के विषय में कुछ आलोचक जो कहते हैं, उसके विपरीत पौलुस इस शब्द का प्रयोग सामान्यतः मसीही सेवकों के लिए करते थे, स्वयं अपने लिए भी: फ़ीबे किंख्रिया की कलीसिया की सेविका थी।[4]

समस्या यह नहीं है कि नए नियम में ऐसी स्त्रियाँ नहीं हैं, जिन्होंने पास्टर के रूप में सेवा की – वे हैं। कुछ लोगों के लिए समस्या यह है कि पौलुस, दूसरे पत्री-लेखक और प्रेरितों के काम के लेखक सेवकों के लिए उन नामों से भिन्न नामों का प्रयोग करते हैं, जिनसे हम में से अधिकांश परिचित हैं। और कभी-कभी ये लेखक किसी ऐसे व्यक्ति के लिए **कोई भी** शब्द प्रयोग नहीं करते, जो स्पष्ट रूप से एक सेवक है (उदाहरण के लिए प्रेरितों के काम 6:1 और आगे के पदों में स्तिफ़नुस और 1 कुरिन्थियों 16:15-18 में स्तिफ़नास)।

इसके अतिरिक्त बहुत से मसीही इस धारणा से चिपके रहते हैं कि स्त्रियाँ कलीसिया की अगुवा नहीं हो सकतीं। इसका कारण अधिकार के विषय में एक ग़लत धारणा है। **परन्तु सेवा का अधिकार संगी विश्वासियों पर अधिकार नहीं है, बल्कि किसी विशेष सेवा में कार्य करने के लिए परमेश्वर की ओर से दिया गया सामर्थ और वरदान है।** सच्ची मसीही सेवा में बात लोगों पर अधिकार चलाने की नहीं, बल्कि नम्रता से उनकी सेवा करने की है।

समापन विचार

यरूशलेम की कलीसिया की अगुवाई पुरुषों द्वारा की गई प्रतीत होती है, और सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया की भी। इसलिए कुछ लोग इस "मॉडल" का अनुसरण करना चुन सकते हैं। परन्तु जब हम सीरिया से उत्तर और पश्चिम की ओर बढ़ते हैं, तो अधिकाधिक सेविकाओं के नाम सामने आते हैं, विशेषकर मकिदुनिया और रोम के नगरों की कलीसियाओं से संबंधित पदों में। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि फ़ीबे, प्रिस्का, नुमफ़ास और उनके जैसी स्त्रियाँ अपनी कलीसियाओं में प्रभावशाली अगुवा थीं।

एक ही खंड, रोमियों 16:1-16, में पौलुस दस स्त्रियों का उल्लेख करते हैं, जिनमें से सात का वर्णन वे किसी न किसी रूप में सेविकाओं के रूप में करते हैं: फ़ीबे, प्रिस्का, मरियम, यूनिया, त्रूफ़ैना, त्रूफ़ोसा और पिरसिस। इन

स्त्रियों को पास्टर नहीं कहा गया, ठीक वैसे ही जैसे नए नियम में किसी पुरुष को किसी कलीसिया का पास्टर नहीं कहा गया, परन्तु कम से कम इनमें से कुछ, और नए नियम की दूसरी स्त्रियाँ, पास्टर के रूप में कार्य करती थीं; वे अपनी कलीसियाओं के सदस्यों के आत्मिक और शारीरिक कल्याण के लिए ज़िम्मेदार थीं। **इसलिए कलीसिया के अगुवों और पास्टरों के रूप में पुरुषों और स्त्रियों दोनों के लिए बाइबलीय आधार है।**

मूल: मार्ग मोवज़्को (Marg Mowczko), "There are Women Pastors in the New Testament", 9 मई 2021, https://margmowczko.com/women-pastors-new-testament/ – लेखिका की कृपापूर्ण अनुमति से जर्मन में अनूदित।

टिप्पणियाँ

1. **Episkopoi** का अनुवाद कभी-कभी "बिशप" किया जाता है। परन्तु कलीसिया के इस प्रारंभिक चरण में ये इफ़िसी **episkopoi** ऐसे बिशप नहीं हो सकते थे, जिनके पास किसी नगर या क्षेत्र की कई कलीसियाओं की देखरेख हो।
2. इन पदों का उल्लेख 1 तीमुथियुस 3 और 5 में है।
3. पौलुस यह भी उल्लेख करते हैं कि वे तुखिकुस को इफ़िसुस भेज रहे हैं (इफिसियों 6:21; 2 तीमुथियुस 4:12)।
4. पौलुस **diakonos** शब्द के प्रयोग में सुसंगत थे। वे इस शब्द का प्रयोग सामान्यतः एक आत्मिक कार्य सौंपे गए प्रतिनिधि के लिए करते थे। इन **diakonoi** में स्वयं पौलुस (रोमियों 15:25; 1 कुरिन्थियों 3:5; इफिसियों 3:7; कुलुस्सियों 1:23 आदि), तीमुथियुस (1 तीमुथियुस 4:6), इपफ्रास (कुलुस्सियों 1:7), तुखिकुस (इफिसियों 6:21-22; कुलुस्सियों 4:7-9), अपुल्लोस (1 कुरिन्थियों 3:5), फ़ीबे (रोमियों 16:1) और स्वयं यीशु मसीह भी (रोमियों 15:8) सम्मिलित हैं। रोमियों 13:4 का **diakonos**, यद्यपि वह कोई मसीही सेवक नहीं है, फिर भी एक ईश्वरीय मिशन के साथ परमेश्वर का प्रतिनिधि है। ध्यान दीजिए कि पौलुस झूठे प्रेरितों का वर्णन एक शैतानी कार्य के साथ शैतान के प्रतिनिधियों (**diakonoi**) के रूप में करते हैं (2 कुरिन्थियों 11:13-15)। और गलातियों 2:17 में पौलुस यह अलंकारिक प्रश्न पूछते हैं कि क्या यीशु पाप के **diakonos**, अर्थात् प्रतिनिधि, हैं। पौलुस की पत्रियों में **diakonos** के ये सब प्रयोग हैं। **एक बार भी वे इस शब्द का प्रयोग साधारण या सामान्य नौकरों (कारिंदों के अर्थ में) के लिए नहीं करते।**